मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय,उदयपुर

(विश्वविद्यालय जनसंपर्क प्रकोष्ठ-कुलपति सचिवालय)

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन पाठ्यक्रम संचालित करने की स्वीकृति

प्रदेश की तकनीकी शिक्षा की प्रगति के लिए उत्तर प्रदेश की तर्ज पर राज. प्रदेश में प्रथम बार इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) के स्थापन की सुविवि की पहल

इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी को 300 विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता के साथ 5 ब्रांचों में बी.टेक. एवं फैकल्टीज ऑफ़ मैनेजमेंट स्टेडीज को 180 विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता के साथ 3 ब्रांचों में एमबीए पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए सुविवि को शैक्षणिक सत्र 2021-22 सें अनुमति प्रदान

तकनीकी और प्रबंधन शिक्षा को समर्पित सुविवि प्रदेश की उच्च शिक्षा का बनेगा सिरेमौर : प्रो. अमेरिका सिंह कुलपति

उदयपुर। प्रदेश में शैक्षणिक सत्र 2021-22 सें इंजीनियरिंग और प्रबंधन पाठ्यक्रमो में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय तकनीकी और प्रबंधन शिक्षा में उच्च मानको के साथ उनके कैरियर निर्माण के लिए नए आयाम स्थापित करने जा रहा हैं। देश में तकनीकी शिक्षा का नियमन करने वाली सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली (एआईसीटीई) ने मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी और प्रबंधन पाठ्यक्रम शुरू करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम गत सत्र में ही एकेडमिक काउंसिल और बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट से स्वीकृत हो चुके हैं। विश्वविद्यालय में इस संस्थान का नाम इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर (आईईटी, एमएलएसयू, उदयपुर) होगा जो कि एक स्वतंत्र निकाय होगा। सिविल, मैकेनिकल, कम्पूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिकस एंड कम्युनीकेशन इंजीनियरिंग सहित 5 ब्रांचो में 300 सीटो की स्वीकृत प्रवेश क्षमता के शैक्षणिक सत्र 2021-22 से यह अनुमति प्रदान की गई हैं। साथ ही प्रबंधन के पाठ्यक्रम के लिए भी अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) से स्वीकृति प्राप्त हुई है। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में प्रबंधन का पाठ्यक्रम पिछले डेढ़ दशक से संचालित है जिसमें एमबीए, एमबीए ई-कॉमर्स, एमबीए एफएसएम, संचालित किए जा रहे हैं लेकिन इस वर्ष तीनो कोर्स में 60-60 सीटों सहित 180 कुल सीटों की अनुमति एआईसीटीई से मांगी गई थी जो प्राप्त हो गई है। विश्वविद्यालय का प्रबंध अध्ययन संकाय देश के प्रतिष्ठित संस्थाओ में गिना जाता है, जहां पर शत-प्रतिशत प्लेसमेंट होता है। इससे संकाय की साख एवं प्लेसमेंट दोनों में उत्तरोत्तर प्रगति होगी।

निदेशक इंजीनियरिंग डॉ बी एल आहूजा एवं निदेशक प्रबंध संकाय डॉ हनुमान प्रसाद शर्मा ने बताया कि कुलपति प्रो. अमेरिका सिंह के सफल निर्देशन में हाल ही में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा इंजीनियरिंग और प्रबंधन संकाय को मान्यता प्रदान की गई हैं, प्रदेश में तकनीकी और प्रबंधन शिक्षा के गुणवत्ता निर्धारण और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को वैश्विक पहचान और अंतराष्ट्रीयकरण की दिशा में मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय दुवारा नए मानक निधारित कर दिए गए है, माननीय कुलाधिपति एवं प्रदेश में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के उन्नयन हेतु राज्य सरकार की संकल्पना को साकार करते हुए विश्विद्यालय युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ नित्य नए आयाम स्थापित कर उच्च शिक्षा की नीतियों का निरंतर क्रियान्वयन कर रहा हैं। राज्य सरकार के दृष्टिकोण उच्च, तकनीकी, कौशल और प्रबंधन शिक्षा को विकसित करते हुए प्रदेश के युवा को सक्षम बनाने के लिए विश्विद्यालय के इंजीनियरिंग और प्रबंधन पाठ्यक्रम के माध्यम से असंख्य युवा राज्य सरकार की जनहितकारी शैक्षिक नीतियों का लाभ उठा सकेंगे। जिससे प्रदेश में तकनीकी शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल विकसित होगा और ग्रामीण आदिवासी अंचल के युवा तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने के लिए आकर्षित होंगें। कुलपति प्रो.सिंह ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी विश्वद्यालय इसी तरह से गुणवत्ता में न केवल प्रदेश में बल्कि देश भर के अग्रणी तकनीकी संस्थाओं में अपना स्थान बनाएगा, उन्होंने सुविवि विश्वविद्यालय प्रशासन को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं प्रदान की और भविष्य में भी इस प्रकार के नवाचार करने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलाधिपति एवं राज्य सरकार के उदेश्यात्मक नीतियों के क्रियान्वयन की प्राथमिकता सुनिशिचत करते हुए प्रो. सिंह और उनकी टीम नें उपलब्धि अर्जित की हैं। विश्विद्यलय की कई विषय विशेषज्ञों और वरिष्ठ प्रोफेसर्स ने इसमें अपना अमूल्य योगदान प्रदान किया।

कुलपति, प्रोफेसर अमेरिका सिंह ने कहा कि समय की मांग के अनुरूप तकनीकी पाठ्यक्रमो का स्तर निर्धारित करना आवश्यक हैं, सुखाड़िया विश्वविद्यालय से पासआउट होने वाले विधार्थियों को अधिक से अधिक अच्छे और शीघ्र रोजगार के श्रेष्ठतम अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही आने वाले समय में विधार्थियों में इंजीनियरिंग और प्रबंध पाठ्यक्रमो के चयन को लेकर सुखाड़िया विश्वविद्यालय विधार्थियों और उनकी अभिभावकों की प्राथमिकता में शामिल होंगा। उन्होंने आशा व्यक्त हैं कि इससे प्रदेश में आने वाले समय में और बेहतर तकनीकी मानव संसाधन उपलब्ध हो सकेंगे, परिणामस्वरूप रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे और राज्य सरकार की लाभकारी नीतियों से विधार्थी लाभान्वित होंगे। हमारे लिए यह गौरव का पल है जिसे में इस योजना को साकार रूप देने में मेरे सहयोगियों को समर्पित करता हूँ। तकनीकी शिक्षा के वैश्विक परिदृश्य में संस्थानों के मानक और स्तर निर्धारण में वृद्धि हुई हैं। आज प्रवेश लेने वाले विधार्थियों एवं बहुराष्ट्रीय कंपनियों और नियोक्ताओं ने आज प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और इंजीनियरिंग कॉलेजो को अपने प्लेसमेंट की प्राथमिकता में शामिल किया हैं। ऐसे में प्रदेश के विश्वविद्यालयों और इंजीनियरिंग कॉलेजो को विधार्थियों के विश्वास की अवधारणा पर खरा उतरना होगा। आज के युग में शैक्षणिक संस्थानों मानदंडीकरण के महत्व में वृद्धि हुई हैं। योग्यता निर्धारण किसी भी शैक्षणिक संस्थान की गुणवत्ता कसौटी होते हैं इसलिये विधार्थियों के विश्वास को बनाएं रखना महत्वपूर्ण हो जाता है।

कुलपति, प्रोफेसर अमेरिका सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में हर विश्वविद्यालय में आईईटी होते हैं अब राजस्थान में इसको शुरुआत करने का श्रेय मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय को मिलने जा रहा है। इसके शुरू होने से आदिवासी अंचल में विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग विषय के विभिन्न स्ट्रीम्स में प्रवेश मिल सकेगा एवं रोजगार परक संभावनाएं शुरू हो सकेगी। साथ ही ये संस्थान आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होंगे। कुलपति, एकेडमिक काउंसिल के सदस्यों एवं बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्यों ने उक्त स्वीकृति के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद का धन्यवाद ज्ञापन किया है। इसकी स्वीकृति मिलने की सूचना कुलाधिपति एवम राज्य सरकार को प्रेषित कर दी गई है। इस संस्थान के खुलने से विश्वविद्यालय आर्थिक रूप से सुदृढ़ होगा।

"मुझे विश्वास हैं कि सुविवि का इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) इंजीनियरिंग के क्षेत्र में प्रदेश का अग्रणीय तकनीकी संस्थान होगा। मेरा मानना है की यह संस्थान हमारे युवाओं और विधार्थियों में इंजीनियरिंग के प्रति अभिरूचि जगाने एवं प्रदेश के विद्यर्थियो की तकनीकी शिक्षा के उन्नयन और करियर निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। इसकी स्थापना से जहाँ एक और तकनीकी शिक्षा की व्यापकता को प्रोत्साहन मिलेगा वही दुसरी और इसके नामांकन में वृद्धि होगी। यह नव स्थापित आईईटी प्रदेश में तकनीकी और प्रौद्योगिकी के वैश्विक माहौल का निर्माण करेगा, साथ ही उच्च एवं तकनीकी शिक्षा की उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेगा, जिससे हमारे प्रदेश के इंजीनियरिंग विद्यार्थी लाभान्वित होंगे और उनके नवाचार, अनुसंधान हमारे देश प्रदेश और व्यवस्था को एक नई दशा और दिशा प्रदान करेंगे। यह आईईटी सुखाड़िया विश्वविद्यालय को अंतर्राष्ट्रीय पटल पर एक नई पहचान देगा। दुनिया भर में तकनीकी क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन हो रहे हैं, ऐसे सुविवि के आईईटी के विद्यार्थी नवीतम और श्रेष्ठतम तकनीकी अकादमिक नवाचारो में दक्षता हासिल कर प्रतिस्पर्धी बनेंगे और यह मानव संसाधन की वैश्विक मांग की पूर्ति करेंगे। विश्वविद्यालय को वित्तीय रूप से स्वावलंबी बनाने के साथ यह संस्थान राज.ज प्रदेश में तकनीकी शिक्षा के सकारत्मक वातावरण का निर्माण करेगा साथ ही राज्य सरकार की उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन में सुविवि विश्वविद्यालय के योगदान को सुनिश्चित करेगा।"

-प्रो. अमेरिका सिंह
कुलपति
मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय
विश्वविद्यालय जनसंपर्क प्रकोष्ठ-कुलपति सचिवालय